

ੲੲ : ਨਿਰਘਾ ਭੰਨ ॥ ੲੲ

८८ : निर्या ईन ॥ ८८

॥ ८८ : निर्या ईन ॥ ८८
॥ ८८ : निर्या ईन ॥ ८८
॥ ८८ : निर्या ईन ॥ ८८

य१

ॐ लि ३ ॥ कौं कौं सः श्री सूर्या नमः ॥ ३ ॥ वलि ॥ ॐ देवलिं गृह्ण २
स्वाहा ॥ ॥ पूजा ॥ ॐ नमः देवी गङ्गा किमहिताय सपत्रिवा प्रस्थानमः ॥
वलि ॥ मूडा ॥ ॥ अथ नात्राय नमः पूजा ॥ ग्या ॐ लि ॥ कौं सः श्री
नात्राय नमः ॥ ३ ॥ वलि ॥ ॐ देवलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ पूजा ॥
ॐ नमः देवी सहाय सपत्रिवा प्रस्थानमः ॥ वलि ॥ मूडा ॥ ॥
महादेव पूजा ॥ न्यासः ॥ ॥ अस्तनमः ॥ ॐ यद्वा सनाय नमः
॥ ॥ ॐ नमः देवा सनाय नमः ॥ ॥ ॥ ॐ नमः देवा सनाय नमः ॥ ॥
या यो जिनामः ॥ चन्द्र चतुर्भि नमः ॥ पञ्चवर्क निवहः ॥

ॐ नमः देवी २ ॥

कर्त्तृत्ववत्तत्त्वांशुर्धर्मसिद्धं तय मनु ॥ ऊं गुण त्यागार्थं वमनीय
 स्नानवन्दना कृत्यं पूज्यं श्रीसदाशिवाय नमः ॥ १ ॥ अथ उल्लिखितं ॥ ह्रीं
 ह्रीं श्रीसदाशिवाय नमः ॥ ३ ॥ वलि ॥ ॐ देवलिङ्गं गृह्णतु स्वाहा ॥
 यत्रिवात्र पूजा ॥ ऊं हृदयादिषु उक्तं न ॥ ॐ स्वर्गकिं सहिनायस
 यत्रिवात्र पूजा ॥ श्रीसदाशिवाय नमः ॥ वलिमुद्रा ॥ ॥ वन्दनपूया
 नन ॥ ॥ धूप ॥ ॥ अक्षतपूया ॥ श्रीसदाशिवाय स यत्रिवात्र पूजा नमः ॥
 दीप ॥ ॥ अक्षदीप ॥ श्रीसदाशिवाय स यत्रिवात्र पूजा नमः ॥ ॥ नै
 वेद्य ॥ ॥ अर्घ्य ॥ ॥ रुद्रधर्मकलीखनहाय ॥ नमः ॥ धर्मकलीखनहाय ॥

यं ३ नं ३ वं ३ मूलं १ ॥ धनमुद्रा ॥ ॥ क्लृप्त ॥ ॐ देवदेवी श्रीसदा
 शिवाय स यत्रिवात्र पूजा निवदयामि नमः ॥ ॥ लीखककुलुगय
 अर्घ्यं ॥ पूनवाय नमः ॥ ॥ अथ यथा ॥ ह्रीं यथा ॥ ऊं ॥
 ह्रीं श्रीसदाशिवाय ॥ १० ॥ ३ ॥ नानाशय ॥ ह्रीं श्रीसदाशिवाय ॥ १० ॥
 ह्रीं ह्रीं श्रीसदाशिवाय ॥ १० ॥ ३ ॥ अथ समर्थं यथा ॥ ॐ देवदेवी गृहाण स्वा
 हा ॥ ॥ मधुर्ल ॥ ॥ अथ ॥ नमो भगवते विष्णवे नमः ॥ कुरु
 साक्षात् ॥ नमः ॥ प्रह्लाददेवाय ॥ राक्षसे नमो नमः ॥ ना
 नाशय ॥ अथ पूनवाय नमः ॥ विष्णवे विष्णवे नमः ॥

॥ भविष्यं नमो नमः ॥ एवमर्त्तं एवात्मानं एव एवा एव
 यद् ॥ इति दर्शयति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
 नाथ यत्कृत्वा नाथ कदाचित् ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
 शायनं नमः ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
 यापनाध्याना नाथ मंत्रं गुरुं मम ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
 इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
 नयाय ॥ लादाय ॥ मुखवाद्यथाय ॥ ॥ मधुसूदनं वादना
 ननकृत् ॥ ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥

न ३ ॥ ॥ कर्त्तुं कर्त्तुं विमर्त्तनयाय ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
 देवकमस्तु ॥ कर्त्तुं कर्त्तुं विमर्त्तनयाय ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
 इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
 लेखनं मन्त्रं वादनाय ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
 ॥ ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
 ॥ गुरु मस्तु सर्वथा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ विन्दु याक ३

१ नमः श्रीगणेशाय ॥ श्रीगुरुभ्यान्मः ॥ श्रीमच्छ्रीश्रीस्वयं
वन्द्येनमः ॥ ॥ अथ निरुक्तं पूजाविधिं लिखामः ॥
माकसामग्रीद्विचक्रावतुलितोद्गतासि यनासिद्धावयविशुभ
लिवस्तुनयूदाव ॥ व्याघ्रादिनादिद्रुथलायथेभुद्रुआसनला
य ॥ ध्यानं ॥ ॥ नासियकुस्तीन ३ ॥ वसुधैवकुर्वत ॥ सुना
यीयान्मस्यपदांश्चायं ॥ वलियातषड्कोलवाकयायकृतिन
य ॥ अर्घ्यायानयंकदथसकृन्निवाय ॥ श्रीस्वयानविन्दुत्रिका
लयेकवाय ॥ अर्घ्यायानयानेविन्दुत्रिकाषड्कोलवाकयेक
वाय ॥ लासायानत्रिकाषड्कोलवाय ॥ घटायानत्रिकाषड्कोलवाय ॥

नारायणाय नमः ॥

सकल हिने यांथ ससिहाल स्वांसा यथ जा कियूवा कय १

नैव यथा तवा कथाय ॥ मालका वा या वस्तुनया च के वत स्वान
 श्वले ॥ ॐ ॥ ॥ गुनू देवस्म प्रलयाय ॥ पूजा आलम्भयाय ॥
 ता हाथा स च त स्वां कतय ॥ पूया व (८) धनयाय ॥ ॐ श्रीं व नूध
 येन मः ॥ ३ ॥ आवमने ३ मनु ॥ ॐ श्रीं आत्मन त्याय स्वाहा ॥ ॐ श्रीं
 त्याय स्वाहा ॥ ॐ श्रीं विवत त्याय स्वाहा ॥ ॥ क स्वां व न लं खः
 अर्घा सन याव ॥ सूर्यार्घ्यं ॥ ॐ श्रीं श्रीं सः कूल मारु रुत्र वाय स्व
 म किं सहिताय ॐ द मर्घ्यं गृहादा स्वाहा ॥ क स्वां तने ॥ पूर्यं २ ॥
 गुनू मयुलयाय ॥ अर्घा यालं खन वा क वायं थ कतय थ व स्वां

६३

तयकैगैआदं पूजायाय ॥ जे श्रीगुरुपादके स्थानम ॥ ३ ॥ मुनि ॥
जे अखलुमलुलाकारं धार्यं यनवरावरं । तत्पदं दर्जितं यन
स्मि श्रीगुरुवे नमः ॥ धस्वानकायावकुय ॥ ॥ आसनपूजा ॥ वलि
स ॥ जे यद्मासनाय नमः ॥ श्रीपागुयान ॥ जे पद्मासनाय नमः ॥ धव
त ॥ जे कूर्मासनाय नमः ॥ ॥ ककायावलाहिलरुवखवनन ॥
जे रुद्रासनाय नमः ॥ ॥ धवप्रवडीकनदी ॥ स्वातस अर्थात् स्व
नमिकाववाय ॥ जे रुद्रासनाय नमः ॥ ॥ दगादाप्रवन्धनयाय ॥
आय २ सधिय ॥ जे वैल ॥ रुवखवमिस्वाम ॥ मंकुं ॥ ज्ञाययानेखी

॥ लं ॥ अ० ॥ क० ॥ ॥ द्र० य० च० न० न० शं ॥ मं ॥ लि० झ० ॥ चं ॥ गार्ग० म० ॥
॥ लं ॥ च० स० यो० ल० म० ॥ ॥ ग० ध० ग० ने० त्र० मूल० न० म० स्का० त्र० या० य० ॥ ख० व० ॥
॥ ने० गुं० गु० न० श्या० न० म० ॥ ॥ उ० व० स० ॥ जे० ग० ग० ॥ ल० ह० म० य० न० म० ॥ म० ॥ ॥ मू० ली०
॥ ऊ० ॥ उ० ग० व० लु० द० वी० ॥ ॥ द० व० न० त० ये० न० म० ॥ ॥ ॥ भ० ग० न० म० स्का० त्र० या० द०
॥ उ० पा० ल० म० या० म० या० य० ॥ ॥ रु० द० ३० ला० दा० य० ॥ ॥ रु० द० १० ॥ ध० कं० क० निका
॥ न० द० ४० दि० ग्य० च० न० या० य० ॥ ॥ ॥ ऊ० ॥ १० ॥ ॥ उ० व० द० न० न० ख० व० न० सा०
॥ दू० का० य० या० प० ग० न० क० ॥ ॥ ॥ ऊ० ॥ ३० ॥ ॥ न० पा० द० स० न० द० सा० क० न० पा० य०
॥ दा० ह० या० य० ॥ ॥ ॥ ऊ० ॥ ३० ॥ ॥ ख० व० द० स० न० द० उ० व० न० सा० चि० न० या० य०

॥ र० म० पू० य० क० का० य० ॥ ॥ ॥ सा० हं० ध० कं० क० लु० ल० नी० का० ट० का० य० थ०
॥ व० थ० य० म० न० य० ॥ ॥ ॥ नि० गु० ल० म० या० मं० ॥ ॥ ॥ अ० थ० न्या० म० ॥ ॥ च० न०
॥ का० या० व० ला० हा० न० म० वू० य० ॥ ॥ ऊ० ॥ १० ॥ अ० म० या० रु० द० ॥ ॥ क० न० न्या० म० या०
॥ य० ॥ ॥ ऊ० ॥ अ० म० या० रु० द० ॥ ॥ ऊ० ॥ न० क० नी० ह्या० न० म० ॥ ॥ ऊ० ॥ म० अ० मा० ह्या०
॥ न० म० ॥ ॥ ऊ० ॥ अ० ना० मि० का० ह्या० न० म० ॥ ॥ ऊ० ॥ क० नि० ह्या० ह्या० न० म० ॥ ॥ ऊ० ॥
॥ क० न० न० ल० ए० ह्या० अ० म० या० रु० द० ॥ ॥ ॥ अ० थ० न्या० म० ॥ ॥ ऊ० ॥ ह० द०
॥ या० य० न० म० ॥ ॥ ऊ० ॥ नि० न० स० ह्या० ह्या० ॥ ॥ ऊ० ॥ नि० खा० ये० व० ष० ॥ ॥ ऊ० ॥ क० व०
॥ या० य० ह्या० ॥ ॥ ऊ० ॥ न० गु० गु० या० य० वी० ष० ॥ ॥ ऊ० ॥ अ० म० या० रु० द० ॥ ॥ रु० द० २०

लादाय ॥ ॐ तिन्यासः ॥ ॥ ऊलपाण्डुस्कापनं ॥ आस पूजा ॥ ॐ
 ऊलपाण्डुसनायनमः ॥ ॐ ॥ धर्कं अर्घ्यं सलावतं ॥ लंखधनं ॥ ॐ
 ॐ वंशदंष्ट्रं नमः ॥ नमः ॥ धर्कं वस्त्रं तय ॥ तीर्थं वाहनयाय
 ॐ कृगमूडा ॥ ॐ गं वज्रमूनं वैवल्गुताव त्रिसप्तसुति । न
 मं दसि भूकाव त्रिऊल सिन्धुनिधिं कृत् ॥ ॥ पूजा ॥ ॐ हृदः
 मायनमः ॥ ॐ गिनसनामः ॥ ॐ गिरवायेनमः ॥ ॐ कंववायेन
 मः ॥ ॐ नैशुयायनमः ॥ ॐ ४ अमुयायनमः ॥ ॥ वगकस्वान
 तय ॥ ॐ वन्दनाकृगपूषीनमः ॥ ॐ वं धनू मूडाकन ॥ ॐ ४ ग

लययदिग्यभनयाय ॥ ॐ ति पूजा ॥ ॥ अर्घ्यं लंखनदंष्ट्रं
 पूजा ॥ ॐ तथर्मं हाय ॥ मूलगयणी ॥ ॐ ४ धर्कं ॥ ॐ ति ऊलपाण्डुस्का
 पनं ॥ ॥ अथर्मं खस्कापनं ॥ वसुलं खेन हाय ॐ ४ धर्कं ति क
 लावाकयं कथाय ॥ ॐ पूजा ॥ ॐ गं खपाण्डुसनायनमः ॥ ॐ
 ॐ ४ धर्कं गं खनामं वतं सिलावमलुलसनय ॥ ॐ पूजा ॥ ॐ सु
 र्यमलुलायनमः ॥ लंखधनं ॥ ॐ वं नमः ॥ वन्दन अकृग
 स्वानतयनमः ॐ धर्कं ॥ पूजा ॥ ॐ साममलुलायनमः ॥ तीर्थं
 वाहनयाय ॥ ॐ गं वज्रमूनं वैवल्गुति ॥ ॐ वं धनू मूडाक

न ॥ मूलनगाकपूयमकुमूडा ॥ मूलनधा ३ ॥ गालगुयदि
विन्दन ॥ मखमूडाकन ॥ ॥ मयडीन (थल) खन देव दान
पूजा सामग्री धर्म दाय ॥ ॥ कि मख स्थापन ॥ ॥ पूजा हन
(मधन) ॥ रूढ धर्म मूद्या मख याल खन दाय ॥ यं ३ न ३ वं
३ मूल ३ ॥ वं धेनू मूडा रूढ ३ गालगुयदि विन्दन ॥ ॥ नि पूः
जा हन (मधन) ॥ ॥ गतो घट स्थापन ॥ वं सत्रिका गवा क
वा य (थक नय) ॥ (थ घट नय) ॥ मूद्या मख याल खन दाय ॥
रूढ धर्म ॥ रूढ ३ दाय ॥ ॥ अवगुण नयाय ॥ वं धेनू मूडा

५०॥४

[illegible]

अमावीरुमयं द विगु कभायादिमूचागां ॥ उदं वानपिअवावीऊं
 उक्रानन्दमयं यदि । ननसखननद वि उक्ररु हां वयादु नि ।
 ॥ ३ ॥ मूलनका ८ ॥ स ४ धर्कं या निमूडाकन ॥ रुट ३ गालगुय
 रुट ४ धर्कं दिग्व न्ननयाय ॥ कनन ॥ ॐ निघट स्कोपने ॥
 गनुहु हिमीनमूडा ॥ ११ धर्न ॥ अर्घ्यायां खनवाकयाय कनय
 ॥ थगुद्धादिनय ॥ गं खअर्घ्यायां खनहाय ॥ रुट ४ धर्क ॥ १०
 पूर्य ॥ ११ धर्नयाय ॥ यं १० वं १० वं १० मूलने ३ वं धन
 मूडाकन ॥ नमः ४ खाननय ॥ वकुमूडाकन ॥ रुट ३ गाल

न २
 गुय रुट ४ दिग्व न्नन ॥ ॐ निगुद्धि ॥ ११ धर्न ॥ ॥ गीपागुक्का
 यन ॥ १० वं खन नि कां घट्टा च वाक पि कयाय ॥ ११ पूजा ॥
 १० गीपागुसनायनमः ॥ रुट ४ धर्कं मश्चि सलावमधुलसग
 ॥ मश्चि सपूजा ॥ १० वं दक्षि मधुलायनमः ॥ ॥ रुट ४ धर्कं गीपा
 गमिलाडानय ॥ १० गीपागुक्का ययामिनमः ॥ पूजा ॥ १० वं
 सूर्यमधुलायनमः ॥ ॥ घट्ट सयादु अमृन थन ॥ १० वं
 १० गीपागु पूनयामिनमः ॥ १० धर्कं गुद्धिमीनमूडादिनय
 ॥ १० नमः ४ धर्कं वन्दनाकनपूषा सनायालपातादिनय ॥ पू

पत्रमगुनूणीपूखु

ध्यानमः ॥ ॥ मुक्तिविक्रमिधंकायग्रीपादुदयवगिनसगुनकथ
 दयाय ॥ जं स्वाहा ग्रीलक्ष्म्यानन्दनाथग्रीलक्ष्मीग्रीपादुका
 नर्थयामिनमः ॥ जं स्वाहायनायनगुनग्रीपादुकांनर्थयामि
 नमः ॥ जं स्वाहायनमष्टिगुनग्रीपादुकांनर्थयामिनमः ॥ जं
 स्वाहादिव्योद्यसिद्धीयमानवोद्यसर्वगुनग्रीपादुकांनर्थय
 यामिनमः ॥ ॥ मुक्तिवलिसनय ॥ ॥ गिनसपेष्टाभुलिनय ॥
 मूलं आत्मनेग्रीपादुकापूजयामिनमः ॥ ३ ॥ विन्दु ॥ नूति ॥
 आत्मपूजा ॥ ॥ यनार्पववलिविय ॥ सिद्धास्त्रीग्रीपादुसथ

नी ३

दाव वलिपागुसतय ॥ जें कों कूं कः कउपालाय वलिगृह २
 स्वाहा ॥ जें वाँ वाँ वूँ वः वद कनाथेय वलिगृह २ स्वाहा ॥ जें वाँ
 सर्वयागिंखा वलिगृह २ स्वाहा ॥ जें झूं वाम धुये वलिगृ
 ह २ स्वाहा ॥ जें गं गीं (सुं) गं यन कु य वलिगृह स्वाहा ॥
 ॥ आवाहनं स्नान कृ दं द वरि सो त य ॥ जें गुं कृ हि द
 वद व सिं अम्विके यन मं ग्व त्रि। यावद च यिनं गं कृ सा
 त्रि थं कृ नू सिद्धि द ॥ जें कीं गीं सप त्रि वा रीं गी उ गृ व धु द
 धी अ गृ सानि क्षा रु व ॥ कृ र्णा वाहनं ॥ ॥ न ना नि द व

नमो नमो नमो नमो ॥ पूजा ॥ १

[illegible]

क्रयामि ॥ ॥ नमो मूलदेवी पूजनं ॥ न्यास द्वावया ॥ ॥
 आसन पूजा ॥ जें य आसने या इक पिऊया मि नमः ॥ जें सिंह
 सन पा पूज ॥ जें महिषासन पा पूज ॥ जें मुक्तासन पा पूज ॥
 जें निमुक्तासन पा पूज ॥ नूनि आसन ॥ ॥ वन्दन दूव
 रुत काय उक्तर ककुपिका मूढा दक्षान या य ॥ ॥ ध्यान
 ॥ जें मव धूम्रि नगां च रुजा साद म ध्वनि दी ॥ स्वर्ग वा
 र्णव कुव ध्वजा कू मं उ म नू दू ल कं ॥ वरदा सवा पा न
 मव विधु नां य न ह सु कं ॥ रुट धनू ग जा घ ध्वां पा र्ग न रु

नीकं गकं ॥ खदुमं विन्दुयानुं वसुवोरुवधरुसितां ॥ सि
 हासनगतां वधुं ॥ अथरुगवती पयां ॥ ॥ वरुननासापू
 टनअरुसि स रुयावसयायीसदवयाकनये ॥ अन
 पूर्यनमः ॥ ॥ आवाहनमुडाकन ॥ जेरुगवनिशी
 उगुवधुदविळु हागक २०० रुनिषु २ ०० रुसैनिहिनारु
 व २०० रुसैनिरे द्वाहव २ ॥ हाथहलयेनमस्तान ॥ म
 मपूजागृहाण ॥ धर्कं ॥ ॥ दूधर्कं अरुगुधुनयाय ॥
 १ द्वावया ॥ अन्नासनदवया अरुद

यामकथनायाय ॥ १

नीज

वैधनमुडाकन ॥ रुटू ३ धर्कं तालुय ॥ रुटू १० धर्कं दि
 ववधन ॥ यातिमुडाकन ॥ ॥ याद्यादिउपवात्रधपूजायाः
 य ॥ ॥ पुनत्याश्रीगीउगुवधुदयेनमः ॥ अर्घानतय ॥ ॥
 गीखने अर्घत ॥ ॥ ॥ दमधगीउगुवधुदयेमाहा ॥ ॥ अ
 र्घानअवमन ॥ ॥ ॥ दमाचमयं वं ॥ ॥ गीखनस्त्रा
 नयावक ॥ ॥ ॥ दं स्त्रानीयं गीउवधुदयेस्वध ॥ ॥ व
 नदन ॥ ॥ ॥ दैवन्दनगीउगुवधुदयेनमः ॥ अरुग
 ॥ ॥ ॥ दमं कर्तगीउवधुदयेनमः ॥ सिद्ध ॥ ॥

दे सिन्दू रीं ग्रीउ गृव धुद वी नमः ॥ ॥ पूषा काय ॥ ॐ नमः
 पूषा ग्रीउ गृव धुद वी नमः ॥ ॥ नमः ॥ पूजा ॥ ॐ नमः
 कं लं खन दा य ॥ नमः ॥ धर्म वे न क स्वान य ॥ पूजा ॥ ॐ नमः
 गज धनि मेनु मागः स्वाहा ॥ ३ ॥ पूषा न य ॥ ॐ नमः
 ग्रीउ गृव धुद वी समर्थ यानि नमः ॥ धर्म ॥ ॥
 दीप न य ॥ ॐ नमः ॥ ग्रीउ गृव धुद वी समर्थ या
 मि नमः ॥ ॥ नमः ॥ ॥ धर्म नमः ॥ ॥ धर्म नमः ॥

लिनेया य ॥ ॥ काय ॥ मूलं ॥ दे नमः ॥ ग्रीउ गृव धुद वी
 निवेद या मि नमः ॥ ॥ नमः ॥ मूलं ॥ ग्रीउ गृव धुद वी
 पादू कां न य या मि नमः ॥ ३ ॥ पून ना य म न न य ॥ ॐ नमः
 न ना व म नी र्थ नमः ॥ ॥ वदु ॥ नमः ॥ पूषा ॥ ॐ नमः
 ॥ ३ ॥ ॐ नमः ॥ ग्रीउ गृव धुद वी नमः ॥ ॥ ॐ नमः
 नमः ॥ ॥ ॐ नमः ॥ ग्रीउ गृव धुद वी नमः ॥ ॥ ॐ नमः
 कां पूजा या मि नमः ॥ ३ ॥ वलि वि य ॥ मूलं ॥ दे नमः
 वलिं गृह गृह स्वाहा ॥ ॥ विगू मूडा या नि मूडा क न ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ वलिं मूडा ॥ ॥
३ ॥ नेमं महा लेश्मी या पूजा ॥ वलिं मूडा ॥ ॥ खवसचा
मूला पूजा ॥ आसन ॥ जे युगासनायनम ४ ॥ ५ या ॥ ॥
ये वां वमूला देवी या पूजा ॥ ३ ॥ वलि मूडा ॥ ॥ जे देवी
मायी पूजा ॥ आसन ॥ जे मयूरासनायनम ४ ॥ ५ या ॥ ॥
लि ॥ वं को को मायी देवी या पूजा ॥ ३ ॥ वलि ॥ मूडा ॥ ॥
धनमाला कथं माया देवी पूजा या य ॥ मूमा ल सामूमा ल
रुपा ॥ ॥ वामूला पूजा ॥ आसन ॥ आसन पूजा ॥ जे य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ वलिं मूडा ॥ ॥
३ ॥ नेमं महा लेश्मी या पूजा ॥ वलिं मूडा ॥ ॥ खवसचा
मूला पूजा ॥ आसन ॥ जे युगासनायनम ४ ॥ ५ या ॥ ॥
ये वां वमूला देवी या पूजा ॥ ३ ॥ वलि मूडा ॥ ॥ जे देवी
मायी पूजा ॥ आसन ॥ जे मयूरासनायनम ४ ॥ ५ या ॥ ॥
लि ॥ वं को को मायी देवी या पूजा ॥ ३ ॥ वलि ॥ मूडा ॥ ॥
धनमाला कथं माया देवी पूजा या य ॥ मूमा ल सामूमा ल
रुपा ॥ ॥ वामूला पूजा ॥ आसन ॥ आसन पूजा ॥ जे य

प्रासनाय नमः ॥ उं श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ गुणाय नमः ॥
 उं श्रीसिद्धि वामुख्ये गी पा पूज ॥ वलि ॥ ॐ दं वलिगुद्र
 ०० ॥ ॥ यत्रिवात्र पूजा ॥ वॉ ह द यादि व उ म ३ ॥ अं वु म
 अदि मारु कात्या नमः ॥ वलि ॥ मू द्रा ॥ ॥ न ना वलि
 मूल ॥ ॥ उं य वलि विद्य ॥ उं सर्वरुत त्या वलिगुद्र र
 स्वाहा ॥ उं सर्वद व त्या वलिगुद्र र स्वाहा ॥ उं वु वलिगु
 द स्वाहा ॥ उं जी पी कुं द र्ग र उ ग्र व ॥ उ व कर सर्व वि व

वसहितं वलिगुद्र र हूं रु र स्वाहा ॥ उं वुं पी उ ग्र व अ
 द ये सां ग ल्यः स वा ह न ल्यः सो यू ध ल्यः ॥ अस यत्रिवा न
 ल्यः ॥ उं न व सहि त ल्यः ॥ अलि मां स उा द य उा सहि ता न
 वलिगुद्र र मां न कर हूं रु र स्वाहा ॥ ॥ उ न्द ना दि
 त य ॥ उं वुं उ ग्र व अ ये सिद्धि ल श्री सहि ता ये ॐ दं यः
 न्द न नमः ॥ उ वं सिं ह ल न नमः ॥ उ वं मू क त र ॥ उ वं पू ष र ॥
 पू य पा रु दी य पा रु य ॥ स लं ख न हा य ॥ रु र ध क ॥

व त स्त्वन जूत न वृजा याय ॥ जें गज धनी मनु मा त
स्वाहा ॥ ३ ॥ य लु थाना व धूय विष ॥ मूलं जय धूपं २ ॥ य लु
थाना ज दी य विष ॥ मूलं जय दी यं २ ॥ ॥ ने व द्य (म धनं)
रुट धकं ल म न हा ॥ न म १ धकं य जा ॥ थि स्थं त ॥ यं ३ वं ३
वं ३ वं धकं (ध नू मू दा ॥ कुं ३ ज य त ॥ ताल रु य दि र्ध
नं ॥ ने व द्य का य ॥ नुं कुं उ गु व लु र्ध स य वि वा ना ये मि
दिल श्री सहि ता ये ॥ द नै व द्य नि व द या मि न म १ ॥

त र्थ लं ॥ नुं कुं श्री उ गु व लु द वी त र्थ या मि ॥ ३ ॥ रुं
श्री सिल श्री उ द वी त र्थ या मि न म १ ॥ ॥ कुं
उ गु व लु स य वि वा नां स र्थ या मि न म १ ॥ ॥ नुं
पू न ना व म नी र्थ न म १ ॥ जू र्थ या र्थ र व क कु ल ग य
॥ ॥ ग भा ज य या य ॥ उ य मा ला का या व र्थ ख न
हा य ॥ रुट धकं ॥ न म १ धकं व त स्त्वन क त य ॥ द जा ॥
जें जू द मा ला ये २ ॥ ३ ॥ य क वि रु न उ य या य ॥ कुं १०२ ॥

सुं स्वाहा ॥ १०५ ॥ कं ऊर्ध्वसूत्रावजयं मे व्यलं ॥ ०० दंज
य गृहाल स्वाहा ॥ ॥ मलुलकाजं ॥ नें गुनूवनमं ॥
नं उयचलुये नमं ॥ नें ऊर्ध्वसूत्रावजयं मे व्यलं ॥ ०० दंज
व वाचनं । तस्य दंज नितं यन तस्य श्री गुनूवनमं ॥ ०० दंज
नमं ॥ चलु कये ॥ यादवी मधुकेटु रुयमथनीया च
लु मूलुदी नीया माता महिषासूत्र दयक नीया न
कवी जायया । यासासूत्र निसूत्र देवदहनी जादव

दं वाकिनी सादवी ममत्र ददकि ललुजे न दं साचलु
क ॥ यासूत्रा मधिवसिता रुगवती नूदय चलु दिसि वु
काणी पुमूखा जयां सकले ॥ सयोगिनी मलुल । यूष्ये ॥
चन्दन धूपदीपयगुलि चल्यानवम्याचि तं सखाकद
णमी प्रिया निचविता साचलु काया रुव ॥ ०० दंज
गला काली रुद काली कयालिनी दुर्गा दमागिवा
दि

व१

या१

सु१

यां स्नान कां व नू गूल गिल सथिय कं न लु दा व व लि स
न ॥ व लि र्घा या ल ख त य ॥ उ त न ना सिय ॥ अ ल मं उ
ल थी ल ॥ च त स्नां कं अ र्घा स त या उ अ दं तं सूर्य
सा दि अ य ॥ अ स्य नि त्या च सं द र्श थ क त क म स
दि र्श र्थ य अ र्घ न म ॥ क त न ॥ य षां त म ॥ ल य न
अ य ॥ च त र्श द क का य ॥ ७ ॥ न ति उ ग्र चं ज नि र्म ॥
१ दे व या स्नान का य ॥ व लि वा य ॥ माल क दे व कृ प ॥ दे व पूजा या य ॥

स म्ब ट २०० अ ठ क क ११ ना उ ० अ सि न्दि न सं द र्श म् ॥
शी ल श्री न न्द या धा

२ यं ३ नं ३ वं ३

नमः गुह्या ॥ अथ बलि विधेय विधि ॥ ॥ जातु ह्य
 वाय ॥ गुह्य नना सिय ३ वं सः वलि तु वा सः जातु स
 लं खन दा य ॥ रुट धर्कं ॥ मूलन जा ॥ धर्मे ३ ॥ जा
 तु या न ल स म र्द व न्द्रा का न वा क वा य ॥ धन यथ
 न ॥ य ३ वलि मूल वलि स पूव न य ॥ क कुत य वा क
 वा दा डा ॥ क जा दि का य ॥ ल ख वि य ॥ उं ना ग स्य
 ३ स्वा हा ॥ उं कृ म्भ स्य ३ स्वा हा ॥ उं रु न स्य ३ स्वा हा ॥
 य ॥ ४

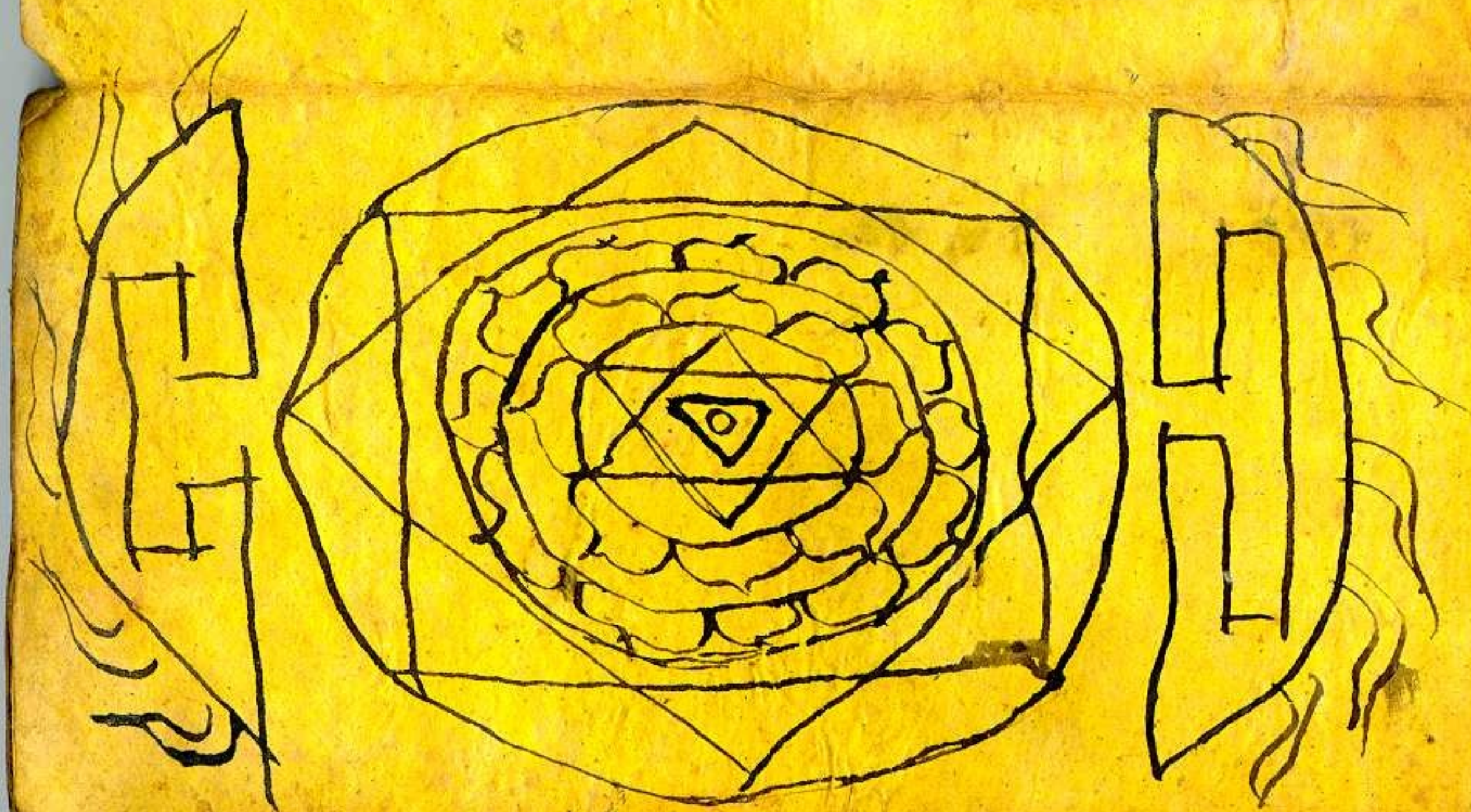
उं द व स्य ३ स्वा हा ॥ उं न न स्य ३ स्वा हा ॥ ॥ का
 जा स लं ख न य ॥ अ मू क ॥ ग ग पि ह अ मू क ना म
 गु फ यं ३ दं ज लं त म्भि स्व धा ॥ अ ग लान न य ॥
 अ मू क ॥ ग गी मा ह य थ ना म ल श्च ३ दं ज लं त म्भि
 स्व धा ॥ ॥ थ कु म न मा ल या नी ल ख न य ॥ जातु
 थि स्यं न य ॥ मूलन १ ॥ ॥ ना स न का य ॥ उं अ मृ ता
 रु न म सि ॥ ल न ॥ ॥ य ३ गु स का य ॥ उं या ध

य स्वाहा ॥ दधूला कालान ॥ ॥ वला वा कालाडा ॥ जें
वा नाय स्वाहा ॥ ॥ दधूला कालाडा ॥ जिं प्रपाना
महाहा ॥ ॥ वाला कालाडा ॥ जें उदा नाय स्वाहा ॥
॥ ॥ दाय विनिर्न ॥ जें समाना य स्वाहा ॥ ॥ प्रम
ना सला काय ॥ जें प्रमृता विधान मसि ॥ ॥ यथेष्टं
हाऊन याय धून कडा वलिजा ककू वूनय ॥ नास
ना काया ववलि सनय ॥ जें ह (म) वाय स्वाहा ॥ ॥ न्व





सिंघधूनकावददंडाय ॥ निगलेश्वनज्ज्वमनयाय ॥
ॐ नमो राजन विधिः समाप्तः ॥ ॥ ॥ ॥ गुरुमस्तु ॥













श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॥ नमः ४ प्राणानि
 कै ॥ सथक थकै ददावल यमैकाधनकाडाला हातुति सिदा
 वध १२ कुरुवा नाडा खाल सिय ॥ भव गुलिला सा सया दाव
 ना सिय नित खन ॥ ३ ॥ थव मोठ ससह मुदलय द्या मूति
 सथव गुरु या शान या य ॥ हा थक ल पाव ॥ ॥ शान ॥ पान
 शमिन सिगु कुकु द्विनै द्विजुर्ज गुनू ॥ वगार य करै गानै सम
 प्रनंनाम पूर्वक ॥ शान पूर्य २ ॥ ॥ पूषा ५३ लिनय ॥ नै शा
 गुनू पाइ कोर्या गी पाइ का पूज या मिनम ४ ॥ ३ ॥ ऊय या
 या ॥ नै १० ॥ ऊय सम र्यल ॥ नै दै जय गृहाण स्वाहा ॥

स्मृतयाय ॥ अखलुमलुलाकारं चार्कं यत्नवत्रावर्तं । न
 त्यदं दर्शितं यत्नं सो गीगुत्रवत्तमः ॥ गीलञ्जानन्दनाथप
 त्रमगुत्रगीपुत्रुलञ्जानपादकास्यान्तमः ॥ जंयनायनगुत्र
 यानमसिगुत्र सर्वगुत्रपादकस्यान्तमः ॥ थनं गुत्रपादका
 ऊपत्रथ ॥ ॥ दगुत्रियाथं ॥ गलगुत्रमूलनमस्कात्रपा
 लायासमस्तथादिकत्रखड्गन्यासयाय ॥ ॥ आधनमसो
 ककुलुलिनीसूषुम्नानाडीनषट्चक्रहृदयादर्थं नयका
 वचनमलुलनहास्यडाडा नृमृक्तनमूलननयनयाका
 हंसधर्क ॥ ३

व ॥ यथापचालपूजा ॥ ॐ नमो देवन्दनै उगुवाधुदधौ नः ॥ ७
 वै ॥ पूषा ॥ धूप ॥ दीप ॥ नैवेद्य ॥ आचन ॥ ताम्रस ॥ ॥ मूल
 नपूषाञ्जलितय ॥ ३ ॥ मूडा ॥ मूलनजपयाय ॥ १०८ ॥ ५४
 २१ ॥ १० ॥ ऊपसमर्थय ॥ ॐ देवजयं गृहावस्वाहा ॥ ॥ मुनि ॥
 अयमीमञ्जलि ॥ रुक्तासायवाङ्गमुनियाय ॥ मरुक्तासा
 कायाय ॥ रुक्तामुनियाय ॥ नमस्कात्रयाय ॥ ॥ सोह ॥ ४
 कंकुलिनीकाकायाडाथवरथायमेनय ॥ न्यासलिकाय
 ॥ ॥ पृथ्वीयाकं रुक्ताहान ॥ लेहमानदेविममपादस्य

रसिय ॥ संवृ पृथि वाकाय वक्रगंठि क्रियाव क दंत यमनु
 ॥ ॥ जंडुर्दकं नि विनू पाकि मां स (भ) लि तं ला जिनि निष्ठ द विमि
 खा म (ध) वा म (धु) अथ ना जिने ॥ ॥ गु वृ गाल म मूल न म स्का
 न ॥ ताल गय दिग्ध न पा ला या म या य ॥ ऊं म नु द ॥ ॥ थ
 व निरु या (थ) न्या स या य ॥ क व ष उ झ न ॥ ॥ ती र्थ वा ह न या
 य ॥ सूर्य म नु ल स वा द ती र्थ श्रु दू ग म डाल ॥ कुं ध कं का सा
 ना डा ती र्थ स न य म नु ॥ नं गं ग व ज म न वै व (ग) डा व नि स व रु
 ति । न मी द सि न्धु का व वि ज लं सि न्धु सै नि ध रु व ॥ वं ध न मू

डा क न ॥ मूल न धा ३ (भ) न या य ॥ ताल गय दिग्ध न या य रु
 ट ड ध कं ॥ ॥ सं ख ग न ॥ वां व नू ल य न म ४ ॥ ऊं सूर्य य २ ॥
 ऊं उ ग व लु अ य न म ४ ॥ ॥ ऊं स्वा हा ॥ ३ ॥ थ व मि त स लं ख न रु
 य ॥ ३ ॥ ॥ सै क ल्य या य ॥ लं ख डा दा व थान वा क ॥ अ य स
 क ल पा प क य पूर्व क गी रु वा नी पू जा (थ) श्रु सि न्ध हा नी (थ)
 य थ ग कि स्तान म डं क नि थ ॥ लं ख ताल न ॥ मूल म नु द
 स फ क्रि डा या द व रा श क वा न न द्र लू कं वि य ॥ ३ ॥ मूल
 न क ल मू डा ल मा ल स हा य ॥ ३ ॥ या नि मू डा लं मूल न रु

यमिनसु ॥ ३ ॥ अथवाध ॥ १ ॥ ॥ सूर्ययागलंखनन ॥ ऊँ ऊँ
स ॥ सूर्याय नमः ॥ मूलं अर्घं नमः ॥ ॐ सकलपत्रि
वारं सूर्याय नमः ॥ अथलंखनदाव मूलं नजपयाय
धन १० ॥ खरुसाकायलस ॥ रुद्रधर्कं लंखनहायाडा ॥ क्र
दूय ॥ कस्तूरिल ॥ ॐ तिस्रानविधिं समाफः ॥ ॥ ॐ ॥

रणीसदाभिवायनमः ॥ श्रीगालगभयनमः ॥ ॥ अथवि
रुतिस्रानं ॥ नित्यया ॥ थं तिस्रानश्रवमनयाय ३ ॥ ॥
गुनगलमूलनमस्तुत्रयाय ॥ ऊँ पाद्यामस्तु आदिक
त्रयउद्गन्थासयायनित्यकर्मया ॥ ॥ विरुतिकायाव
खवसाहानसतय ॥ लखातय ॥ भाउस ॥ कयालसत ॥ न
गलसतय ॥ ॥ विरुतिसलंखतय ॥ वंधर्क ॥ ॥ ऊँ
यमनु ॥ ॐ ऊँ स्वाहा ॥ त्रिकोणवाकयाय ॥ दथसवी
उवाय ॥ ॐ ॥ ॥ माकपूयाव ॥ अथनयाय ॥ ॐ ऊँ ॐ

विरुति
 सदागिवायथांगयनयसर्वनीर्थहिषवनायुद्धंरुखाहा
 ॥३॥ जेँकीधकंवसयालसतय ॥ ॥ जेँकीकीखोहा ॥
 थमनुनकयालसतिपुंधुयादंसयालनय ॥३॥ कीधकै ॥
 कयूसः नूगमउसः वाहयनखसैः वरुविसः नरूसः जल
 सः लकदलनखसैः वृत्त्यानखसैः विरुतिनय ॥ ॥ सर्वाङ्ग
 सवयमनु ॥ जेँकीउग्रवभुमहागकैः पत्रवैतन्यनूपिपी
 ॥ विरुतिसानसाङ्गलैदहभुद्धिपुयकुभ ॥ कृतयंबूय ॥ ॥
 मूलयात ॥ सूर्ययातछावर्थलैयतन ॥ मूलनऊययाथ

॥ श्रीं १० ॥ जयसमर्थी ॥ नूदेऊयैगृहाणसाहा ॥ ॥
 न्यासः ॥ आचमनी ॥ नूतिविरुतिसान ॥ ॥ ॥
 अथवन्दनविधिः ॥ गं गममातिकायावलैखसचूलाडामूः
 लमनुनधम ३ यलयेऊययथ ॥ मूलनंगलेगनेविरु
 तिनगथनिदाअर्थगं गममातिकानविरुतिताकयू
 यन्नर्थनवननतय ॥ लाहातसिय ॥ नासिय ३ ॥
 नूतिवन्दनविधिः ॥ ॥ गुरु ॥ ॥ ॥



३४
१॥ ग० ग० ग० य० न० म० ॥ ग० ग० य० न० म० ॥ ॥ अथ ज्ञानादिल
विधिः ॥ ॥ आचमनं ॥ ऊ० आ० स्मृ० त्वा० य० स्वा० हा० ॥ ऊ० वि० घ्रा० क
त्वा० य० स्वा० हा० ॥ ऊ० नि० व० क० त्वा० य० स्वा० हा० ॥ ॥ पा० क्ष० यामं ॥ ऊ० ध० वं
॥ न्या० स० या० य० ॥ ऊ० हृ० द० या० दि० क० न० खं० इ० न्या० स० या० य० ॥ ॥ ज्ञाना
का० या० व० ग० य० गी० न० लं० ख० न० म० लं० क्ष० न० १० ॥ १॥ ॥ ३॥ ग० य० गी
न० ऊ० य० न० य० ॥ ॥ १०८ ॥ ज्ञाना० स्व० वा० क० हिल० कं ॥ जे० वं० क० ल० न
म० ॥ ॥ ॥ अ० य० न० म० ॥ ना० ग० य० ॥ सो० मा० य० ॥ पि० ह० र्या० ॥
य० जा० प० न० य० ॥ वा० य० वं ॥ सूर्या० य० ॥ जे० सर्व० र्या० द० व० र्या० न० म० ॥

मूलनधः ३ ॥ गमयतीनधः ३ ॥ कृचाकनहिलक ५१ ॥ गमय
 तीपदयेकाखाय ॥ यूनानगुलिआताकागायाव चतद्रूप
 लेखनसंस्तुतिवाक्यको ॥ ननुकावर्वसतय ॥ ॥ द्ववयाः
 (थं) न्यासलिकाय ॥ तिनत्वनआचमन ३ ॥ ॥ तिनजानाहि
 लविधिः समाफ ४ ॥ ॥ भुरै ॥ जानाहिलमालनावेद्रया
 जानाहिलधूनकावर्लि सन्ध्यायाय ॥ स्नानविशुतिस्नानधू
 नकावर्ने लि संध्यानद्व जानाहिल ॥ ॥ ॥ संध्यायाय ॥ भुरै ॥

गमयतीदधोनमः १ ॥ ॥ अथसन्ध्याविधिलिखित ॥ ॥ द्ववें
 जल (अधन) ॥ श्रीं वनूधदधोनमः ४ ॥ ३ ॥ आचमन ॥ श्रीं आत्मन
 त्वायस्वाहा ॥ श्रीं विश्वान्त्वायस्वाहा ॥ श्रीं भिन्नान्त्वायस्वाहा ॥ ३ ॥ भू
 लनमिखावधन ॥ वक्रगुं धिधिस्येन ॥ ३ ॥ गलगुनमूलनम
 स्कार ॥ खवस ॥ गुं गुनूस्थानमः ४ ॥ जवस ॥ गं ग (अ) गमयनमः १ ॥
 दधूस ॥ श्रीं गमयतीदधवनायेनमः ४ ॥ ॥ रुद्रधर्कलेखनथवक्र
 सदुयके ॥ रुद्र ३ तालगुय ॥ रुद्र ४ दिग्यधनेयाय ॥ ॥ याध
 मां मयाय ॥ श्रीं जवकासतिम्यं खवनसाद्रकाय ॥ श्रीं ४ ॥ न

नैः पैंः रुंः वैंः रुंः मैंः यैंः नैंः लैंः वैंः गैंः षैंः सैंः हैंः लैंः दैंः नमः स्वाहा
 ॥ पूनः थवमाउसहाय ॥ मूलमनुजधारेण ॥ ॥ पूनसूर्यम
 लुलवाहलैख ॥ कुंः धर्ककायावतहाद्य ॥ मधनयाय ॥ लैंः वैंः
 नैंः यैंः हैंः ॥ धा ॥ मूलनम्रहिसमनुजयाय ॥ धा ३ ॥ ॥ इति ॥
 नी ॥ ॥ थलैखकायावखवलाहातिसुतययविकपितहास्यं
 डालैखनजवलाहातिनथवमालसमूलमनुजहाय ॥ धा ॥
 अर्थवा ३ ॥ थलैखजवलाहातिसुतयावतजत्रयहानयाडा
 जानाडीनद्रकायावथवमनीनसवाकदकयापैसलाडाविम

लाहातिसिय ३

लानाडीनपिकायथलैखहाकवर्तुहानयैखवदाधवकुमिला
 सः रुं ॥ धर्कवस्त्राय ॥ ॥ हवयाथ ॥ जितननासिय ३ ॥ न्या
 सयायहवयाका ॥ थं रुं ॥ ॥ सूर्ययातमूर्ध्वविय ॥ जोडी
 सः ग्रासूर्ययमूर्ध्वनमः ॥ ३ ॥ मूलसूर्यमलुलवासिनीगीउग्रव
 लुलवदवतायेमूर्ध्वनमः ॥ ३ ॥ गमयणीनैमूर्ध्वविय ॥ जोडी
 गवकुयेविमहदूर्गमदेवोधीमहि। ननव्यपुपुवादया ॥
 ग्रागमयणीदेवोमूर्ध्वनमः ॥ ३ ॥ मूलउग्रदादित्यवर्हिनीनिल
 यैतन्यादितयेगीउग्रवकुदेवोमूर्ध्वनमः ॥ ३ ॥ जैकीगीउग्र

वलुदेवीस्य त्रिवा नान् ॐ दमर्धे नमः ॥ ३ ॥ कृतव्यार्थं आचमन
 याय ३ ॥ ॥ न्यासया यं कृतव्यार्थं ॥ ॥ जाना कालाय विनीस क
 नकाडासुलग्नयणीनऊपयाययकविलन ॥ श्रीः उग्रवलुदे
 विग्रहे दुर्गादेवी श्रीमहि। तन्नयनी पुत्रादया ॥ १०८ ॥ ज
 यमसमर्थं लखतन ॥ ॐ दं ऊपं गृहाल स्वाहा ॥ ॥ मुक्ति ॥ ऊः
 यन्कीमङ्गलाकालीति ॥ नमस्कात्रयाय ॥ ॥ न्यासाचमनं ३॥
 ॐ निसु ॥ ॥ ततादवादि सूर्य्यं ॥ गंदवां सूर्य्यामिनमः
 ॥ सेवी सूर्य्यामिनमः ॥ पितृ सूर्य्यामिनमः ॥ स्वगुरु सूर्य्य

यामिनमः ॥ यनमगुरु सूर्य्यामिनमः ॥ यनापत्रगुरु सूर्य्या
 मिनमः ॥ यनमसिगुरु सूर्य्यामिनमः ॥ दिव्योद्यसिद्धीद्य
 मानवोद्यसर्वान्गुरु सूर्य्यामिनमः ॥ ॥ मूलतर्क्यं ॥ मू
 ले श्रीः उग्रवलुदेवी तर्क्यामिनमः स्वाहा ॥ ३ ॥ आवनः
 नंदवतातर्क्यं ॥ ॐ ॐ नंदवलुदेवी तर्क्यामिनमः ॥
 नंदीसः कात्यायनीदेवी तर्क्यामिनमः ॥ हं ऊयाद्यष्टदेवीत
 र्क्यामिनमः ॥ नंदी उम्बू नयनीदेवी तर्क्यामिनमः ॥ ॐ
 वक्रांशुष्टमा ॥ हं कां सूर्य्यामिनमः ॥ कां कण्वद

कन।म।म।गिनीं सूर्य या मिनमः॥ वांवा मू।गुं नर्य या मिनः
 मः॥ लूं॥ न्द्रा दि द मला कपालां सूर्य या मिनमः॥ कुं॥ गउगु
 वन्धुपनिवा नां सूर्य या मिनमः॥ ॥ पूनर्म।धमूलद - वीतर्क
 नं पूर्ववत्॥ पूनः सूर्य सूर्य लं॥ पूनथवनगुलसमूलदवीया
 तर्क लं॥ ३॥ पूनर्दवीतर्क लं॥ वांवा मू।गुं नर्य या मिनमः॥ कुं
 कोमावीतर्क या मिनमः॥ मं महाल क्रीं नर्य या मिनमः॥ देगु
 लिदवतर्क लयाय॥ ॥ सा
 सपनिवा नां सूर्य या मिनमः॥ ॥ न्यासः॥ आवमनं ३॥ कव

या।थं॥ ॥ मूलमनुनर्य याय प्रक विरु न॥ १०८॥ ५४॥ २१॥
 १०॥ रुयसूर्य लं॥ लं खतनं॥ न्द्रं दं जयं गृहा ल स्वाहा॥ ॥ मु
 तिद्वयया।थं॥ ॥ क्ववया।थं आवमन॥ न्यास॥ ॥ थवनग
 लसयानिमूडा ल थियक॥ कुं रुद यायनमः॥ ला दा य ला थ
 लकं सं न मूडा ल लं ख स वा द द वी वि स ऊ न याय थवनगुलस
 थियकं लीन श व रा न थ॥ सूर्य म गुल स वा का का या गुती थ लं
 ख थवनगुलसं लीन श व रा न थ॥ ॥ तीर्थ देवीः गुनूः न्द्रः मू
 लः पनिवान देवीः कानः दे उ पीथः नासनः मिवः विष्णुः वक्राः



श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ ॐ नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ ॐ नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ ॐ नमः ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ ॐ नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ ॐ नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ ॐ नमः ॥

धन ॥ मृगिष्वाहादयस्सुप्रानां ॥ यमादयस्सुप्रानां ॥ यमरुग्रीः
 ऊमनादयोनमः ॥ ॥ कवावालादयः ॥ विरुदवना सुप्रानां ॥ ॥
 मानव (गुरु) विरु यथनामगुफयह वातामिदं तिलादकं तस्मै
 स्वध ३ ॥ ॥ उवै चितामह पुचितामहः ॥ ॥ मानव (गुरु) माह्य
 धनामसु श्रीरुवातामिदं तिलादकं तस्मै स्वध १ ॥ ॥ उवै चिताम
 हीः ॥ पुचितामही ॥ ॥ ॥ अमूक (गुरु) मानामहय यथनामगुफ
 यह वातामिदं तिलादकं तस्मै स्वध ३ ॥ ॥ उवै पुमानामहं वृद्धप
 मानामहः ॥ ॥ अमूक (गुरु) मानामही यथनामसु श्रीरुवा

तामिदं तिलादकं तस्मै स्वध ॥ १ ॥ ॥ उवै ॥ वेमाह ॥ विरुवा ॥ विरुः
 वानी ॥ ऊसुजाता ॥ कनिष्ठुजाता ॥ ऊसुजाहुराया ॥ कनिष्ठु
 हुराया ॥ पूरु ॥ पूरु ॥ सुखा ॥ हुराया ॥ पत्नी ॥ हागवती ॥ मा
 हुल ॥ मानुलानी ॥ विरुषसा ॥ विरुषसापति ॥ विरुषसु
 मीय ॥ माहुरषसा ॥ माहुरषसापति ॥ माहुरषसुमीय ॥ ऊसु
 रानी ॥ ऊसुरुगियति ॥ कनिष्ठुरुग्री ॥ कनिष्ठुरुग्रीयति ॥ हा
 ग्रय ॥ हाग्रययी ॥ सुभुन ॥ सुभु ॥ स्याल ॥ स्याली ॥ गुनू
 ॥ ॥ उनूयली ॥ नृप ॥ सुखा ॥ मिठ ॥ दास ॥ मानकया नरु

कुरुक वियतेव ॥ ॥ कायलति सिय ॥ यथा स्मार्कं कुरुजाताः
अपुत्राः (मन्त्रि) (मृताः) । म सर्वे ह किमायानि वमु निष्ठादना
दके ॥ ॥ उय स्यर्गनं विष्णु ॥ ॥ सूर्ययात अर्धविय ॥ ॥ हि
सूर्य सदमु (मन्त्रि) (मृताः) सिद्धग त्यते । अत्र कम्यय मां ह
स्मार्कदायार्ध दिवा कन ॥ सूर्ययात अर्धवियाव ॥ पूनः ॥
उय स्यर्गनं ॥ विष्णु ॥ ॥ ॥ ति पितृ तर्पण विधिः समाप्तः ॥
॥ ॥ गुरु ॥ ॥

नमः शिवाय ॥ ॥ अथ लिङ्गार्चनविधिः ॥ मालका
ललावकाय ॥ त्रिस्तननामिह ३ ॥ दां आत्मनर्त्तुं स्त्राह ॥ ऊं
विद्यानत्वाय स्त्राह ॥ ऊं शिवनत्वाय स्त्राह ॥ ३ ॥ प्रोक्षयाम
॥ रुद्र ३ तालगुयदिग्यत्वनं ४ ॥ हो १ रुद्रवभयखवद्रास
नसाद्रकाय ॥ हो ५४ नयाम्भस्यने ॥ हो ३२ खवभंकावज
वनसागालन ॥ गतिप्रोक्षयाम ॥ ॥ न्यासयाय ॥ दां
हृदयादिषु ३ नमः शिवाय ॥ अथ कनः श्रुत्वा न्यासया
य ॥ ॥ अथ अर्घ्यपूजनं ॥ विसर्पकवाय ॥ अथ कनय ॥

नमः ॥ धर्म ॥ ॥ अथ अर्घ्यनमः चर्चनं ॥ ॥ लेखनय ॥ नमः
धर्म ॥ वनकस्त्री ॥ नमः धर्म ॥ अथ कनः श्रुत्वा न्यासया
य ॥ ॥ पूजायाय ॥ दां नमः ॥ दां नमः ॥ दां नमः
मः ॥ दां नमः ॥ दां नमः ॥ दां नमः ॥ वनकस्त्री ॥ नमः धर्म
॥ वनधनमूडाकेन ॥ रुद्र ३ तालगुयदिग्यत्वनं ॥ भवत्वन
दानपूजाहनधर्महाय ॥ गतिप्रोक्षयाम ॥ ॥ आत्मपू
जा ॥ आत्मनः सिंचनं नमः ॥ आत्मनः चन्दनं नमः ॥ आत्म
नपूषणं नमः ॥ कृप ॥ गति ॥ ॥ अथ सूर्यपूजनं ॥ जया